Class - 6
Subject - HINDI
पाठ – 1 प्राकृतिक सौन्दर्य

1. शब्दार्थ :–

सुघड़ाई	–	सुंदरता, सौन्दर्य
ललित	–	सुंदर
कुंज–लता	–	झाड़ियों से घिरा मंडप
निर्मल	–	साफ़, मल से रहित
रजनी	–	रात
लहलही	–	लहलहाती हुई
सुरीला	–	सुर से युक्त, मधुर स्वर वाला
रम्य	–	सुंदर
नवीन	–	नया
परमेश्वर	–	ईश्वर, प्रभु

<u>मौखिक</u>

2. क. कवि ने संसार की किस सुंदरता की बात कही है?

उत्तर कवि ने संसार की प्राकृतिक सुंदरता की बात कही है।

ख. कमलों पर किसकी गूँज सुनाई देती है?

उत्तर कमलों पर भौरों की गूँज सुनाई देती है।

ग. मेघों की उत्पत्ति किससे होती है?

उत्तर मेघों की उत्पत्ति सागर के पानी से होती है।

घ. कविता का कोई अन्य शीर्षक बताइए।

उत्तर कविता का अन्य शीर्षक का नाम धरती की सुंदरता अथवा ईश्वर की चतुराई रख सकते हैं।

<u>लिखित</u>

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. ध्यान लगाकर देखने से आपको क्या पता चलेगा?

उत्तर ध्यान लगाकर देखने से हमें यह पता चलेगा कि ईश्वर ने बड़ी चतुराई से इस खूबसूरत संसार की रचना की है। बस इसे खूबसूरत संसार को ध्यानपूर्वक देखने की जरूरत है।

ख. 'नव ललित–ललित शोभा की मूल' किन्हें कहा गया है?

उत्तर 'नव ललित–ललित शोभा की मूल' रंग–बिरंगे फूलों और लहलहाती लताओं को कहा गया है।

ग. कविता के आधार पर 'पर्वत' और 'झरने' की सुंदरता का वर्णन कीजिए।

उत्तर कविता के आधार पर 'पर्वत' और 'झरने' की सुंदरता का वर्णन कवि ने बहुत ही रमणीय ढंग से की है। जब सूर्य की पहली किरण पर्वत की चोटी पर पड़ती है तो उसकी शोभा देखते ही बनती है। ऊँचे पर्वत से निकलते झरने की झर–झर ध्वनि से पूरा जंगल गुंजायमान हो जाता है।

घ. रात किससे सज जाती है?

उत्तर रात अनंत अर्थात् अनगिनत तारों से सज जाती है।

ङ कविता के आधार पर 'पर्वत' और 'झरने' की सुंदरता का वर्णन कीजिए।

उत्तर घनमंडल में गर्जन–तर्जन सी हलचलें होती है। फिर वर्षा का संचार होता है। जब वर्षा की बूँदें धरती पर पड़ती है तो जीव–जंतुओं और पेड़–पौधों को नवजीवन मिल जाता है।

4. मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न कविता में वर्णित कुछ प्राकृतिक वस्तुओं के महत्व व संदेश का उल्लेख कीजिए।

उत्तर कविता में ईश्वर ने प्राकृतिक सौन्दर्य और महत्व का बखान किया है। नदी, झील, झरने, रंग–बिरंगे फूल और हरे भरे पेड़–पौधे सभी प्रकृति की सुंदरता में चार चाँद लगाते हैं। समय के साथ सूर्य का उगना और अस्त हो जाना समय पर काम करने का संदेश देते हैं। छः ऋतु चक्र जीवन के अच्छे–बुरे समय को बताते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि ईश्वर ने हमारे लिए अनमोल संसार की रचना की है। जिसकी सुंदरता को बचाकर रखना हमारा कर्तव्य है।